हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत विदाई समारोह में हुए भावुक

जितना मान-सम्मान मप्र, शहर व उच्च न्यायालय के वकीलों में मिला, उतना कहीं नहीं मिला

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट के मुख्य चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत ने कहा कि जितना मान-सम्मान मुझे पदभार संभालने के दिन से आज तक इस प्रदेश, इस शहर व इस बार एसोसिएशन में मिला, उतना कहीं नहीं मिला। यह अविस्मरणीय है अतः इसे भुला पाना मेरे लिए असंभव है। वे अपने सम्मान में आयोजित विदाई समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान उनकी धर्मपत्नी, प्रशासनिक न्यायाधीश संजीव सचदेवा, स्टेट बार काउंसिल के वाइस चेयरमैन आरके सिंह सैनी, डिप्टी सालिसिटर जनरल पुष्पेंद्र यादव, अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत सिंह रूपराह, हाई कोर्ट एडवोकेट्स बार के सचिव अधिवक्ता निखिल तिवारी, जिला बार अध्यक्ष मनीष मिश्रा, हाई कोर्ट बार अध्यक्ष धन्य कुमार जैन व सचिव परितोष त्रिवेदी मंचासीन थे। संचालन सचिव परितोष त्रिवेदी व आभार अधिवक्ता निर्मला नायक ने ज्ञापित किया।

सिल्वर जुबली आदर्श सभागार में अपने भाव व्यक्त करते हुए चीफ जस्टिस कैत ने कहा कि मैं जितना भावुक हूं, उतना ही कठोर, अपने व्यक्तिगत मान-सम्मान की मुझे परवाह नहीं पर इंस्टीट्यूशन के प्रति कोई गलत बात बर्दाश्त नहीं करता। जो कुछ कम समय में बार के लिए कर सकता था, मैंने किया। अधिवक्ताओं के लिए पार्किंग और बैठने के लिए आठ मंजिल बिल्डिंग प्रस्तावित कराई।

ओ फिरकी वाली गीत गाकर वकीलों का दिल जीता

चीफ जस्टिस कैत ने अधिवक्ता समुदाय की फरमाइश पर उनके बीच सुर साधकर ओ फिरकी वाली गीत गाकर समां बांध दिया। इसी के साथ सभागार तालियों की गड़बड़ाहट से गूंज उठा। अधिवक्ताओं ने भी गीत के बोलों को दोहराकर साथ दिया। इसके बाद सभी वकीलों ने स्टेंडिंग ओवेशन देकर सीजे कैत का मान बढ़ाया।

बार की ओ से आभार जताया

हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धन्य कुमार जैन ने बार की ओर से सीजे कैत का आभार ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि सीजे कैत ने असंभव को संभव कर दिखाया। उनकी वजह से बार के नवीन भवन का स्वप्न समय पर साकार होगा। मुख्यमंत्री व सुप्रीम कोर्ट के जजों की मौजूदगी में 117 करोड़ का बजट स्वीकृत कराया। यह कहते ही सभी वकील अपने स्थान पर खड़े हो गए और सीजे कैत के सम्मान में स्टेंडिंग ओवेशन दिया। काफी देर तक तालियां थमीं नहीं।

सीजे कैत को हाई कोर्ट भवन का स्मृति चिन्ह भेंट

हाईकोर्ट बार ने विदाई की भावुक बेला में सीजे कैत को हाई कोर्ट भवन का स्मृति चिन्ह व उनकी धर्मपत्नी को हथकरघा की साड़ी भेंट की। दो घंटे तक चले कार्यक्रम में सभी भाव विभोर हो गए। हाई कोर्ट बार के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित जैन, उपाध्यक्ष प्रशांत अवस्थी, संयुक्त सचिव योगेश सोनी, कोषाध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह, पुस्तकालय सचिव रजनीश उपाध्याय, कार्यकारिणी सदस्य सपना तिवारी सहित अन्य का सहयोग रहा।

उपमुख्यमंत्री व मंत्री के बयान के खिलाफ आरएसएस कार्यालय में सौंपा प्रार्थना पत्र

भारतीय सेना के सम्मान में कांग्रेस ने निकाली पदयात्रा

हरिभूमि जबलपुर।

भारतीय सेना और उसकी जांबाज महिला अधिकारियों के सम्मान में शनिवार को नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा एक विरोध मार्च आयोजित किया गया। यह मार्च गौ माता चौक, राइट टाउन से प्रारंभ होकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थानीय कार्यालय केशव कुटी पहुँचा. जहाँ कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने संघ पदाधिकारी प्रदीप दुबे, कैलाश गुप्ता, सुरेश अग्रवाल और विनोद कुमार से मुलाकात की और औपचारिक रूप से विरोध पत्र सौंपा।

नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा ने कहा हमारा विरोध किसी संगठन से नहीं, बल्कि उन लोगों से है जिन्होंने सेना और महिला अधिकारी का अपमान किया है। जो स्वयं को राष्ट्रवादी कहते हैं, वे आज राष्ट्रहित में चुप क्यों हैं. श्री शर्मा ने कहा प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और वन मंत्री विजय शाह के बयानों ने न केवल भारतीय सेना की गरिमा को ठेस पहुँचाई, बल्कि कर्नल सोफिया कुरैशी जैसी वीर महिला अधिकारी के सम्मान को भी आहत किया है। कांग्रेस ने ऐलान किया है कि जब तक भारतीय सेना के अपमान के दोषियों को जवाबदेह नहीं बनाया जाता, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। इस दौरान दिनेश यादव, अमरीश मिश्रा, कमलेश यादव, इंदिरा तिवारी, अनुराग गड़वाल, अयोध्या तिवारी, अतुल बाजपेई, सतेंद्र चौबे ,प्रमोद पटेल, याकूब अंसारी, विजय जैन चुन्ना,वकील अंसारी, संतोष दुबे पड़ा, दिनेश तामसेतवार, अनुपम, जैन, अख्तर अंसारी,राजेश तिवारी ,आजम अली खान,कलीम खान, गुड्डू चौबे, रज्जू सराफ, प्रशांत मिश्रा, झल्ले लाल जैनराजा पाण्डेय अनुभव शर्मा, सहित सैकड़ो कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

निगम की अनदेखी से नागरिक परेशान

लेफ्ट टर्न में अतिक्रमण से बिगड़ रही शहर की ट्रैफिक व्यवस्था

हरिभूमि जबलपुर।

शहर में यातायात सुगम बनाने के लिए 10 चौराहों के लेफ्टटर्न खोले गए। नगर निगम प्रशासन ने किसी जंक्शन को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए बुलडोजर चलाया, तो कहीं जमीन अधिग्रहण करने के लिए बड़ी मुआवजा राशि दी। लेकिन, प्रमुख चौराहों में निगम प्रशासन अपने ही खोले लेफ्टटर्न भूल गया है। ज्यादातर चौराहों के लेटटर्न खाली नहीं मिलते। छोटी लाइन चौराहे के जंक्शन प्वाइंट पर वाहनों की पार्किंग की जा रही है। गोरखपुर बाजार छोर पर लेफ्टटर्न में ठेले-टपरे, गुमटियों का जमावड़ा है। इसके कारण लेफ्टटर्न से वाहनों से आवाजाही मुश्किल होती है। इस चौराहे पर आवाजाही सुगम बनाने निगम ने जमीन अधिग्रहण पर 55 लाख रुपए खर्च किए थे।

निगम मुख्यालय के सामने कब्जा

हद तो ये है कि नगर निगम मुयालय के सबसे करीब तीन पत्ती चौक के लेफ्टटर्न भी शहरवासियों को खाली नहीं मिल पा रहे हैं। यहां भी ठेले-टपरे वालों का जमावड़ा हो जा रहा है। जबकि इस चौराहा से होकर दिन भी नगर सरकार से लेकर निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों की आवाजाही रहती है।

तहसीली चौक और ब्लूम चौक पर भी कब्जा

तहसीली चौक में मॉडल स्कूल परिसर से लगे लेफ्टटर्न व न्यायालय छोर के लेफ्टटर्न दोनों ही ओर वाहनों की पार्किंग की जा रही है। स्कूल छोर पर तो स्ट्रीट वेंडर ठेले-टपरे भी लगा ले रहे हैं। इसके कारण कार्यालयीन दिनों में इस चौराहे से होकर गुजरने में राहगीरों को हर हाल में जाम से जूझना पड़ता है। शहर के व्यस्त चौराहों में शुमार ब्लूम चौक पर होमसाइंस कॉलेज छोर के लेफ्टटर्न पर हर रोज वाहनों की पार्किंग कर दी जाती है। इसके कारण यहां से एबुलेंस का निकलना भी मुश्किल हो जाता है। एक स्टोर के संचालक ने तो लेफ्टटर्न से सटकर ही ट्रांसफार्मर भी लगा दिया है।

जल्द कार्रवाई शुरू की जाएगी

चौराहों के लेफ्टटर्न अतिक्रमण मुक्त रखने पूर्व में अभियान चालाया गया था, फिर से कार्रवाई शुरू की जाएगी, जिससे की आवाजाही मार्ग सुगम रहे और राहगीरों को समस्या का सामना ना करना पड़े।

सागर बोरकर, प्रभारी अधिकारी अतिक्रमण निरोधी दस्ता, ननि

नानी के अंतिम संस्कार के नहीं थे पैसे, हुई बेसहारा

मसीहा बनकर सामने आए इनायत अली

हरिभूमि जबलपुर।

गुरंदी बाजार में शनिवार को उस समय भावुक दृश्य देखने को मिला जब दो बहनों का जीवन एक और दुखद मोड़ से गुजर रहा था। 65 वर्षीय नानी साबित्री बाई विश्वकर्मा का निधन हो गया, और उनका अंतिम संस्कार करने तक की आर्थिक व्यवस्था बहनों के पास नहीं थी। ऐसे समय में गरीब नवाज कमेटी के इनायत अली मसीहा बनकर सामने आए।

24 वर्षीय शिवानी विश्वकर्मा और उनकी 19 वर्षीय बहन रागिनी, अपनी नानी के साथ चर्च के पीछे किराए के मकान में रहती थीं। दोनों बहनें पहले ही अपने माता-पिता को बीमारियों के चलते खो चुकी थीं मां की मृत्यु पीलिया से और पिता की हृदयाघात से हुई थी। अब नानी की मौत ने उन्हें पूरी तरह बेसहारा कर दिया।

नानी की अचानक मौत के बाद, दोनों बहनें बिलखती रहीं और अंतिम संस्कार के लिए मदद की गुहार लगाती रहीं। तभी इनायत अली को इस स्थिति की जानकारी मिली। उन्होंने अपने निजी कार्य छोड़कर तुरंत मौके पर पहुंचकर आर्थिक रूप से बहनों की मदद की। उन्होंने परिवार के सदस्य की तरह अंतिम संस्कार की पूरी व्यवस्था करियापाथर मुक्तिधाम में करवाई।

शिवानी, जो निजी काम करके जैसे-तैसे घर चलाती हैं, ने बताया कि नानी ही उनका आखिरी सहारा थीं। उन्होंने इनायत अली का आभार जताते हुए कहा कि अगर ऐसे लोग न होते तो वह इस कठिन समय से कैसे गुजरतीं।

हाईकोर्ट ने किया जवाब तलब

सरफेसी एक्ट की धारा 13 की वैधानिकता को चुनौती

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर सरफेसी एक्ट की धारा 13 की वैधानिकता को चुनौती दी गई है। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की खंडपीठ ने वित्त मंत्रालय के सचिव, ईओडब्ल्यू डीजी व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। कोर्ट ने बैंक द्वारा सरफेसी एक्ट के तहत की गई कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी।

भोपाल के रघुनंदन सिंह चौहान की ओर से अधिवक्ता विवेक रंजन पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता की फर्नीचर बनाने की औद्योगिक इकाई है। बैंक का लोन नहीं चुकाने पर उनकी परिसंपत्तियां नीलाम कर दी गई। अब बैंक सरफेसी एक्ट के तहत उन्हें दिवालिया घोषित करना चाहती है, जिसके लिए उन्हें नोटिस भेजा गया है। दलील दी गई कि केन्द्र सरकार के गजट नोटीफिकेशन व रिजर्व बैंक निर्देशों के अनुसार किसी भी लघु व मध्यम श्रेणी की औद्योगिक इकाई के बैंकिंग लोन की किश्तों में अगर डिफॉल्ट होता है तो उसे बैंक द्वारा वित्तीय विनियोजन का मौका पहले दिया जाना जरूरी है। ऐसा इसलिए ताकि उसे दिवालिया होने से बचाया जा सके। यदि वित्तीय विनियोजन असफल होता है तभी नीलामी की कार्यवाही की जा सकेगी। तर्क दिया गया कि धारा 13 सरफेसी एक्ट के तहत बिना वित्तीय पुनःसंरचना का मौका दिए बिना परिसंपत्तियों की नीलामी करने का बैंक का अधिकार असंवैधानिक है। दलील दी गई कि बैंक ने याचिकाकर्ता की लगभग 70 करोड की संपत्ति को 6 करोड 42 लाख में नीलाम कर दी, जोकि वित्तीय धोखाधड़ी है। इसकी शिकायत ईओडब्ल्यू में भी की गई है।

साइलेंट किलर बनता जा रहा है हाई बीपी

विश्व हाइपरटेंशन दिवस पर जिले में जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि जबलपुर।

शनिवार को विश्व हाइपरटेंशन दिवस के अवसर पर जबलपुर शहर में विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रमों, संगोष्ठियों और स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) को 'साइलेंट किलर' बताते हुए लोगों को समय रहते सतर्क होने की सलाह दी। चिकित्सकों ने कहा कि हाइपरटेंशन धीरे-धीरे शरीर को अंदर से खोखला कर देता है, और जब तक इसका पता चलता है, तब तक स्थिति गंभीर हो सकती है। शहर के अस्पतालों में ऐसे मरीजों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है, जो नियमित ब्लड प्रेशर की जांच या लक्षणों की उपेक्षा के कारण गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचते हैं।

हर दिन पहुंचते हैं 90 से ज्यादा मरीज

हृदयरोग विशेषज्ञों के अनुसार, जबलपुर में सरकारी अस्पतालों में औसतन प्रतिदिन 90 से ज्यादा मरीज उच्च रक्तचाप से जुड़ी समस्याओं के साथ पहुंचते हैं। अगर इसमें निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में पहुंचने वाले मरीजों को भी जोड़ दिया जाए, तो यह आंकड़ा 150 से ऊपर पहुंच जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वृद्धि बेहद चिंताजनक है और यह दर्शाती है कि जनमानस में इस बीमारी को लेकर जागरूकता अभी भी बहुत कम है।

हाइपरटेंशन को ऐसे समझें

एमएलबी मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विशेषज्ञों के मुताबिक, सामान्य तौर पर 15 से 35 प्रतिशत जनसंख्या हाइपरटेंशन से प्रभावित होती है। इनमें से लगभग 20 प्रतिशत मौतें बढ़े हुए रक्तचाप के कारण होती हैं। उन्होंने बताया कि हाइपरटेंशन दो प्रकार का होता है , प्राइमरी (एसेंशियल) हाइपरटेंशनः जिसका सीधा कोई कारण स्पष्ट नहीं होता, पर यह जीवनशैली से जुड़ा होता है। जो डायबिटीज, किडनी की बीमारी, हार्मोनल असंतुलन या गर्भावस्था जैसे कारणों से होता है। अत्यधिक नमक, फैट युक्त भोजन, तनाव, धूम्रपान, शराब, और व्यायाम की कमी हाइपरटेंशन को बढ़ावा देने वाले प्रमुख कारक हैं। इसके लक्षणों में सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, गुस्सा आना, चक्कर आना, थकान, सीने में दर्द और सांस फूलना शामिल हो सकते हैं।

निवारण ही बचाव है

विश्व हाइपरटेंशन दिवस के उपलक्ष्य में शहर भर के चिकित्सकों ने एक ही संदेश दिया — समय पर जांच कराएं, जीवनशैली सुधारें और हाइपरटेंशन को गंभीरता से लें। निगरानी, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और तनावमुक्त जीवनशैली अपनाकर इस साइलेंट किलर से बचा जा सकता है।

मूक पशु-पक्षी की सेवा करना हमारा कर्तव्य : रोहाणी

जबलपुर। केंट विधायक अशोक रोहाणी ने रांझी में मूक पशु-पक्षी हेतु पीने के पानी हेतु नाद एवं पक्षी के पानी एवं अन्न के सकोरा एवं पक्षियों के भोजन के भोजन पात्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर श्री रोहाणी ने कहा कि मूक पशु-पक्षियों की सेवा करना हमारा दायित्व है, मूक पशु-पक्षी जो बोल नहीं सकते, हमारा कर्तव्य है कि हम उनके भोजन एवं पानी की व्यवस्था करें। सकोरा भोजन पात्र एवं नाद उपलब्ध कराने हेतु परसराम मूलचंदानी एवं सचिन जैन सहारा की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस दौरान सचिन जैन, परसराम मूलचंदानी, श्रीमती संतोषी ठाकुर, पुष्पराज सिंह, कैलाश रजक हेमराज सराठे, सुधीर बेन, आलोक मित्रा, बबलू लालपुरी, श्रीमती निशा, राजेश श्रीवास्तव आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ब्राम्हण महासभा का विप्र चेतना समागम आज

जबलपुर। ब्राम्हण स्वयंवर संस्कार महासभा के तत्वावधान में विप्र चेतना समागम का भव्य आयोजन आज 18 मई को सायं 5:00 बजे स्थानीय दत्त मंदिर गोलबाजार, जबलपुर में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगतगुरु राघवदेवाचार्य महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद महाराज तथा पूज्य साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी करेंगी। इस अवसर पर सारस्वत अतिथि के रूप में नगर पंडित सभा के पं. वासुदेव शास्त्री, डॉ. हरिशंकर दुबे के साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद आशीष दुबे, पनागर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पं. सुशील तिवारी 'इंदू', उत्तर मध्य विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, नेता प्रतिपक्ष पं. अमरीश मिश्रा होंगे। ब्राम्हण स्वयंवर संस्कार महासभा के संस्थापक पं. वीरेंद्र तिवारी, अध्यक्ष पं. मुन्नालाल दुबे, पंडित दिलीप दुबे, चन्द्रशेखर शर्मा, प्रदेश महासचिव डॉ. अरुण मिश्रा ने बताया कि विश्व चेतना समागम के अंतर्गत संगोष्ठी अलंकरण सम्मान के साथ ही विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

जहर खाने से मौत

जबलपुर। भेड़ाघाट थाना अतंर्गत ग्राम तेवर कोरी मोहल्ला में अज्ञात जहरीली वस्तु का सेवन करने पर एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।भेड़ाघाट पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रात लगभग 11 बजे अज्ञात जहरीली वस्तु का सेवन करने के कारण ग्राम तेवर कोरी मोहल्ला निवासी 48 वर्षीय श्रीमति मिथला बाई मेहरा को उपचार के मेडीकल कॉलेज अस्पताल में बेटे नरेंद्र मेहरा द्वारा भर्ती कराया गया था। जहां देर रात उपचार दौरान लगभग 2.30 बजे श्रीमति मिथला बाई मेहरा की मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

पुरानी रंजिश पर जानलेवा हमला

जबलपुर। मदनमहल थाना अतंर्गत चंद्रिका टावर के पास पुरानी रंजिश पर दो बदमाशों ने दो भाईयों पर चाकू से हमलाकर प्राणघातक हमला कर घायल कर दिया। दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मदनमहल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार तलवार कम्पाउंड विजयनगर रामपुर छापर गोरखपुर निवासी 23 वर्षीय आयुष दुबे गत रात लगभग 10.25 बजे चंद्रिका टावर मदनमहल स्थित अपनी होटल में था, तभी उसके भाई आकाश दुबे ने उसे मोबाइल पर कॉल कर दो मिनिट के लिए नीचे आने को कहा, जब वह नीचे आया तो देखा एक स्कूटी में उसका भाई आकाश बैठा था, जिसके पीछे गौरव दाहिया और यश शुक्ला बैठे थे। पुरानी रंजिश पर यश शुक्ला और गौरव दाहिया ने आयुष को जाने से मारने का कहते हुए यश ने आकाश के जांघ पर और आयुष की पसली व कमर पर चाकू से प्राणघातक हमला कर घायल कर दिया। आसपास के लोगों को आते देख गौरव दाहिया ब्लूम चौक तरफ तथा यश शुक्ला चाकू लेकर साईड शोरूम में घुस गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 109, 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

वीरों की शौर्यगाथा और पराक्रम के जीवंत चित्रण ने मन मोहा

ग्लोबल यूथ फेस्ट 2.0, धरती पर उतर आए चारों युग

- भगवान श्रीराम की स्तुति से हुई कार्यक्रम की शुरुआत
- यूथ फेस्ट के दूसरे दिन बना धार्मिक, आध्यात्मिक वातावरण

जबलपुर। बड़ेरिया ग्लोबल इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट कालेज के यूथ फेस्ट 2.0 के दूसरे दिन 17 मई को प्रतिभागियों ने गीत, संगीत, नृत्य के माध्यम से चारों युगों का जीवंत चित्रण कर दर्शकों का मन मोह लिया। इस दौरान ऐसा लग रहा था मानो चारों युग सतयुग (सत्ययुग), त्रेतायुग, द्वापरयुग, और कलियुग धरती पर उतर आए हों। मंचीय कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों ने त्रेतायुग में धर्म और सत्य की हानि को रेखांकित किया। द्वापरयुग में अधर्म और अन्याय बढ़ने तथा धर्म और नैतिकता के घटते प्रभाव तथा कलियुग में अधर्म, अन्याय और हिंसा का बोलबाला का मंचन किया। चारों युग का वर्णन कर यह संदेश दिया कि युग कोई भी हो, ईश्वर किसी न किसी रूप में हमारे साथ होते हैं। इस दौरान भारतवर्ष के वीर, वीरांगनाओं का रूप धारण कर उनकी शौर्यगाथा और पराक्रम के मंचन तथा देवी, देवताओं के रूप में प्रतिभागियों द्वारा नृत्य की प्रस्तुति ने भी दर्शकों को उत्साह से भर दिया। 24 घंटे के राष्ट्रीय स्तर के हैकथॉन का समापन हुआ, जिसमें ग्लोबल इंजीनियरिंग कॉलेज, जबलपुर के प्रतिभागी अव्वल रहे। प्रोजेक्ट एग्जीबिशन, फन गेम्स, तकनीकी गेम्स में भी कॉलेज के विद्यार्थियों ने हुनर दिखाया। अंत में धमाल पार्टी ने रंग जमाया, जिसमें प्रतिभागियों ने जमकर डांस किया। बड़ेरिया ग्लोबल इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट कालेज के चेयरमैन सौरभ बड़ेरिया ने प्रतिभागियों की मेहनत और उनके तकनीकी ज्ञान की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर संस्था के निदेशक डॉ. राजीव खत्री, रजिस्ट्रार प्रो. पूर्णानंद दुबे, एचआर हेड डॉ. निहारिका यादव, प्रो. वंदना पाठक, डॉ. प्रतीक मिश्रा, डॉ. सुनील पटेल, प्रो. मनीष तिवारी आदि उपस्थित थे। शावा शावा बैंड और डीजे नाइट की प्रस्तुति से रविवार को यूथ फेस्ट का समापन होगा।

भक्ति में लीन हुए दर्शक

नृत्य के माध्यम से प्रतिभागियों ने विभिन्न देवी देवताओं की स्तुति की। विकराल रूप में मां काली का तांडव, रौद्र रूप में शिव तांडव को देख दर्शकों के रोंगटे खड़े हो गए। वहीं श्रीकृष्ण गोपियों संग अठखेलियां करते नजर आए, तो बुद्धि के देवता श्रीगणेश के दर्शन पाकर सभी धन्य हो गए। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीराम की स्तुति से हुआ। दर्शक भगवान श्रीराम की भक्ति में लीन नजर आए। वहीं रैम्प वॉक के माध्यम से उन वीर, वीरांगनाओं का जीवंत चित्रण किया गया जिन्होंने देश की आन बान और शान के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। महाराणा प्रताप, झाँसी की रानी, रानी दुर्गावती, छत्रपति शिवाजी महाराज, सम्भाजी महाराज एवं बाजीराव की शौर्यगाथा और पराक्रम को बहुत ही सुंदर एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

हैकथान में दिया गया टास्क किया पूरा

राष्ट्रीय स्तर के हैकथन में छात्रों ने टास्क पूरा किया। जिसमें विभिन्न राज्यों से आए 120 से अधिक छात्र शामिल हुए। प्रतिभागियों ने विभिन्न माडल्स प्रस्तुत किए। जिसमें एआई, स्वास्थ्य सेवा प्रौद्योगिकी, शैक्षणिक प्रौद्योगिकी, ग्रीनटेक साइबर सुरक्षा, वेब3, ब्लाकचेन आदि चुनौतियों का सामना कर माडल्स के जरिए समाधान प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में आईटी उद्योग के सदस्य अनूप राय, एलिशा फ्रांसिस, गौरव सोनी, आयुष जैन, सिद्धांत खरे, जसनीत सिंह सैनी और आयुष त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

पीएम की चाटुकारिता के लिए सेना का अपमान

डिप्टी सीएम देवड़ा एवं मंत्री विजय शाह का यूथ कांग्रेस ने किया पुतला दहन

हरिभूमि, जबलपुर। युवा कांग्रेस द्वारा मालवीय चौक जबलपुर में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं मंत्री विजय शाह के पुतले जलाए गए। हाल ही में दोनों मंत्रियों द्वारा दिए गए विवादित बयान जिसमें की भारतीय सेना एवं भारत की जनता का अपमान किया गया। युवा कांग्रेस नेता समर्थ अवस्थी ने बताया कि जिस तरह कल उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कल भारतीय सेना और भारतीय जनता को मोदी जी के चरण वंदन करने को कहा गया उससे सेना का अपमान हुआ है जिसे कांग्रेस और भारत देश कदापि सहन नहीं करेगा, वैसे ही घटिया शब्द भाजपा मंत्री विजय शाह ने देश की शान सेना की सम्मानित अधिकारी सोफिया कुरैशी को आतंकवादी की बहन कहा गया इससे यह जाहिर होता है कि भाजपा मंत्रियों में प्रतिस्पर्धा चल रही है कि कौन सेना को कितना अपमानित कर सकता हैं और कितना मोदी जी की चाटुकारिता करता है। ऐसे मंत्री के खिलाफ जबलपुर हाइकोर्ट ने खुद एफआईआर करवाई है।भारतीय युवा कांग्रेस ने आज मुख्यमंत्री से दोनों मंत्रियों के इस्तीफे की मांग की है।अगर जल्द ही इनसे इस्तीफा नहीं लिए गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। पुतला दहन में युवा कांग्रेस नेता समर्थ अवस्थी के नेतृत्व में मुख्य रूप से शिशिर ननहोरिया,अमित मिश्रा,नीलेश महार, सौरभ गौतम,सचिन रजक,राहुल बघेल,ऋषिकांत पटेल,आमिर पहलवान, अभ्युत बाजपेई,साहिल यादव,यश गुप्ता,यश दुबे,शिवम् सैनी,प्रतीक शुक्ला एवं अन्य युवा कांग्रेस कार्यकर्ता सैकड़ों की संख्या में उपस्थित थे।

वैश्य समाज का युवक-युवती परिचय महासम्मेलन 1 जून को

जबलपुर। वैश्यों का सामाजिक संगठन वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के सभी जिलों की तहसीलों में कार्यरत है जिसमें संगठन की प्रत्येक तहसीलों में मुख्य इकाई महिला इकाई एवं युवा इकाई अपनी पूर्ण क्षमताओं से वैश्यों के संगठन एवं संवर्धन में लगी हुई है। संगठनात्मक रूप से 20 संभाग 65 जिले एवं 435 तहसीलों में इकाइयों के माध्यम से सामाजिक कार्य जारी हैं, वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के संरक्षक एवं प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री उमाशंकर गुप्ता के मार्गदर्शन एवं प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष संदेश जैन के आदेशानुसार सभी संभाग स्तर पर प्रेस वार्ता आयोजित कर संगठन के द्वारा विभिन्न वैश्य घटकों को संगठित कर रचनात्मक कार्यों की जानकारी दी जाना है। वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश की इंदौर जिला इकाई के द्वारा दिनांक 01 जून 2025 को वैश्य तलाक शुदा, विधवा, विधुर, विकलांग एवं अधिक उम्र के अविवाहित युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। पत्रकार वार्ता में ज्योति जैन, अतुल चौरसिया, आभा साहू, जितेंद्र देव गुप्ता, साधना बड़कुल, आभा जैन, अंजू अग्रवाल, शिशिर अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

चलित प्रसादम सेवा के 5105 दिन पूरे

जबलपुर। 4 साल पहले 4 अप्रैल 2011 हिंदू नव वर्ष पर जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट की योजना से हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट के संस्थापक स्वामी रामचंद्रदास जी महाराज के सानिध्य में 200 से 300 लोगों का प्रतिदिन चलित प्रसादम सेवा के नाम से एक गाड़ी में भोजन वितरण का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया था। 17 मई को बल्देवबाग चौक एवं मेडिकल कॉलेज के मरीज के परिजन एवं मरीजो को पूरी सब्जी कड़ी चावल हलवा आचार वितरित किया गया। पूज्य ज्ञानेश्वरी दीदी ने कहा भूखे को भोजन करना हजारों वर्ष पुरानी प्राचीन परंपरा है इस मानव सेवा से बड़ी कोई सेवा नही है। हर सेवा भगवान हर कोई से नहीं करता है इस सेवा के लिए अग्रवाल परिवार को चुना यह पूर्वजों के पुण्य प्रताप का फल है। ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल ने बताया करोना के समय प्रतिदिन 1000 लोगों को भोजन वितरित किया जाता था नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉक्टर सुधीर अग्रवाल ने बताया 5105 दिनों से प्रतिदिन लगातार जारी है अभी तक 19 लाख 14 हजार 375 लोगों ने प्रसाद पाया। इस अवसर पर बी डी पटेल लखन दुबे मनजीत सिंह टीटू सिंह मेघा प्लास्टिक आदि उपस्थित थे।

जितेन्द्र जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त

सिहोरा। ओबीसी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ बृजेन्द्र यादव ने जितेन्द्र कुमार कुर्मी को महासभा का जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य एड धर्मेंद्र कुशवाहा,डॉ पुष्पराज पटेल,इंजीनियर महेन्द्र सिंह लोधी की सहमति,प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुनील पटेल,राकेश लोधी,संभागीय अध्यक्ष रामराज पटेल, जिलाध्यक्ष छोटे पटेल की अनुशंसा से की गई है।

श्रमजीवी पत्रकार परिषद ने की अतिरिक्त महाधिवक्ता से मुलाकात

जबलपुर। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय प्रदेश पदाधिकारिओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त अतिरिक्त महाधिवक्ता नितेश यादव से सौजन्य मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान सभी पत्रकारों ने पत्रकार सुरक्षा कानून सहित मां नर्मदा में मिल रहे गंदे नाले को रोकने के लिए एवं पर्यावरण की सुरक्षा सहित अनेक मुद्दों पर उनसे चर्चा की। इस अवसर पर अतिरिक्त महाधिवक्ता श्री यादव ने श्रमजीवी पत्रकार परिषद के पत्रकारों का आभार व्यक्त करते हुए आशा जताई कि निश्चित रूप से आने वाले समय में हम और आप मिलकर जबलपुर को और ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी, राष्ट्रीय संयोजक नलिन कांत बाजपेई,प्रदेश के मुख्य महासचिव विलोक पाठक, प्रदेश संगठन महासचिव अनुरोध पटेरिया, जबलपुर संभाग के अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा, गृह निर्माण समिति के प्रमुख सुरेश कामले, पत्रकार फोटोग्राफर एसोसिएशन के सदस्य जितेंद्र वैष्णव ने पुष्प कुछ देकर अतिरिक्त महाधिवक्ता का अभिनंदन किया।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न

जबलपुर। निरभव निरवैर सेवक जत्थे के दमनीत सिंह प्रिंस भसीन ने विज्ञाप्ति जारी कर बताया कि भारत सरकार द्वारा चलाये गये ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता को शौर्य दिवस के रूप में मनाते हुये खालसा स्कूल रांझी में बच्चों एवं समूह सिक्ख संगत द्वारा अखंड भारत एवं राष्ट्र, सैनिकों, सुरक्षा संस्थानों एवं उनके परिवारों के चढ़दी कला के लिये गुरूवाणी एवं सर्वत्र भले की अरदास भाई सतनाम सिंह एवं साथियों द्वारा की गयी। कार्यक्रम समाज के छोटे-छोटे बच्चे की उपस्थिति में किया गया। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में जबलपुर की निर्माणियों और उनके योगदान को देखते हुये इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जीसीएफ के महाप्रबंधक राजीव गुप्ता को इनको जत्थे एवं सिक्ख समाज की तरफ से सम्मान एवं राष्ट्र की तीनों सेनाओं एवं सुरक्षा संस्थानों के लिये प्रशस्ति पत्र देकर एवं शाल, सिरोपा, पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। आयोजन में निरभव निरवैर सेवक जत्थे के दमनीत सिंह प्रिंस भसीन, टीटू जग्गी, अमरजीत सिंह अलग, नंदा ब्रदर्स, हरदीप सिंह जगदेव, रिंकू आहूजा, किट्टू सचदेवा सहित सिक्ख समाज के साथ खालसा स्कूल के स्टॉफ प्रचार्या शशि रजक, स्त्री सत्संग की महिलाएं उपस्थित रहीं।

अटल बने कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष

सिहोरा। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के अटल उपाध्याय के जिलाध्यक्ष बनने पर मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ सिहोरा के तहसील अध्यक्ष के जी पाठक,ब्लॉक अध्यक्ष सुशील दाहिया,योगेंद्र मिश्रा,मनजीत सिंह,मनोज राय,प्रेम प्रकाश चतुर्वेदी, राजेश मिश्रा,संदीप तिवारी,गंगा राम गुप्ता,अनीता उपाध्याय, प्रदीप राय,बलराम उपाध्याय, सुषमा पांडे,ममता दुबे,जे एस राठौर आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

शासकीय महाविद्यालय में बैंकिंग फाइनेंस सर्विसेज एंड इन्सुरेंस के नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा में नवीन सत्र 2025-26 की प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। इस सत्र में महाविद्यालय में दो नवीन रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम आरम्भ किये जा रहे हैं। बी.ए.एवं बी.कॉम.में बैंकिंग,फाइनेंस सर्विसेस एंड इन्सुरेंस के नए पाठ्यक्रम इस सत्र से प्रारम्भ होंगे। प्रवेश प्रभारी डॉ राजेश वाहने ने बताया कि इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को दो वर्ष विषय का अध्ययन करना होगा और तृतीय वर्ष में उन्हें बैंक, वित्तीय संस्थान और बीमा कंपनी में अप्रेंटिसशिप कराई जाएगी जिसमें उन्हें शिष्यवृत्ति(स्टाइपेंड) भी प्राप्त होगी। भारत सरकार की अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम(ए ई डी पी) योजना के तहत इन पाठ्यक्रमों के संचालन किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों के लिए विद्यार्थियों को कोई अतिरिक्त शुल्क देय नहीं होगा। इन दोनों पाठ्यक्रमों के लिए महाविद्यालय में 30-30 सीट निर्धारित हैं जिनमें मेरिट के आधार पर प्रवेश मिलेगा। इन पाठ्यक्रम में विद्यार्थी ई प्रवेश पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इस सत्र से उच्चशिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों का पुनर्संयोजन किया है। अब प्रथम वर्ष में प्रवेश मुख्य विषय (मेजर) के आधार पर मिलेगा।

फर्जी रिपोर्ट लिखाने वालों के विरुद्ध उचित कार्यवाही किये जाने किन्नरों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। किन्नर रोशनी पटेल व उसके अन्य किन्नर साथियों द्वारा व्यक्तिगत स्वार्थ के चलते हिन्दू किन्नरों को क्षेत्र में न जाने देने की मंशा से लड़ाई-झगडा कर हिन्दू मुस्लिम का जामा पहनाकर धार्मिक उन्माद फैलाने पर उचित कार्यवाही करने की मांग की गई है। कलेक्टर कार्यालय में सौंपे ज्ञापन में निवेदन किया गया है कि मैं दिया मिश्रा (नायक) गुरू स्व. रागिनी नायक उम्र 30 वर्ष, निवासी गलगला टोरिया के पास, थाना बेलबाग, जबलपुर में रहती हूं तथा किन्नर समाज की निर्वाचित नायक हूं और सभी किन्नरों का दायित्व मुझ पर है कई किन्नर जो अतिवृद्ध हैं, बीमार हैं, असहाय हैं उनका भरण-पोषण करने का भी दायित्व मेरा है, इस नाते सभी किन्नर जो किन्नर नियमों का पालन करते हुये साथ में रहते हैं इस प्रकार सभी किन्नर मेरे अधीनस्थ हैं तथा मेरे ही निर्देशन में वे सभी क्षेत्र समाज में लोगों के यहां बधाई, शुभकामना, प्रार्थना करते हुये दो पैसा कमाते हैं और समाज से मिली राशि को सभी किन्नरों के भरण-पोषण एवं समाज में निर्धन लाचार लोगों के उत्थान में खर्च करते हैं। किन्नर रोशनी द्वारा मनीषा दास, स्वीटी चौधरी, पिंकी चौधरी, प्रीति, पूजा एवं मोहम्मद महफूज ताजी उर्फ गुड्डू के साथ मिलकर आये दिन हम लोगों के साथ क्षेत्र में गाली-गालौज, मारपीट करती है अतएव मेरे विरूद्ध की गई रिपोर्टों की जांच कर फर्जी रिपोर्ट लिखाने वालों के विरूद्ध उचित न्यायिक दंडात्मक कार्यवाही किये जाने की कृपा करें।

देशभक्ति के रंग में रंगी तिरंगा यात्रा में लगे भारत माता की जय के नारे

समापन पर भूतपूर्व सैनिकों का किया सम्मान

सिहोरा। पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पाकिस्तान के खिलाफ सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के नायक देश के वीर सैनिकों के अदम्य साहस और शौर्य को नमन करते हुए तथा देश की एकजुटता का संदेश देने के उद्देश्य से एक साथ दो तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसमें पहली राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक बैनर तले महाराजपुर से निकाली गई जिसका समापन सिहोरा में हुआ यहीं से क्षेत्र के भूतपूर्व सैनिकों की तिरंगा यात्रा को गिदुरहा के लिए रवाना किया।

सांसद ने हरि झंडी दिखाकर किया रवाना

भारतीय सैनिकों के सम्मान में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक बैनर तले निकली तिरंगा यात्रा को सांसद आशीष दुबे,जिला पंचायत अध्यक्ष आशा गोटिया,बरगी विधायक नीरज सिंह,पनागर विधायक सुशील इंदू तिवारी,भाजपा जिला ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल आदि ने महाराजपुर से हरि झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। जो करीब 25 किलोमीटर की दूरी तय करके यात्रा के बरगू तिराहा गोसलपुर पहुंचने पर विधायक संतोष बरकडे के नेतृत्व में अनेक लोगों ने स्वागत किया।

यात्रा मार्ग में भारत माता की जय के नारे गूंजते रहे अनेक दो पहिया और चार पहिया वाहनों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लगाकर चल रहे युवाओं का उत्साह देखते ही बन था यात्रा के सिहोरा बस स्टेंड पहुंचने पर मातृशक्ति ने तिरंगा यात्रा में पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया सभी ने सिहोरा थाना प्रांगण स्थित विजय स्तंभ पर भारत माता की प्रतिमा का पूजन अर्चन करने के साथ पूर्व सैनिकों का पुष्पहार पहनाकर सम्मान भी किया गया।इस अवसर पर पूर्व विधायक नंदनी मरावी,नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे,जनपद अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री, राजा मोर, राजेश दाहिया, संदीप शुक्ला, पुष्पराज सिंह बघेल, राजमणि सिंह बघेल, अंजना सराफ, कुमार नीरज, प्रवीण कुररिया सतीश पटेल, अनंत नौगरहिया, अनुपम सराफ, अंकित तिवारी, शिशिर पांडे, माधव मिश्रा, नीरज पांडे,नीलू बाजपेयी आदि उपस्थित थे। क्षेत्र के भूतपूर्व सैनिकों ने भी अपने हाथों में देश के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को लेकर विजय कुमार मिश्रा अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद इकाई सिहोरा अध्यक्ष के संयोजन में तिरंगा यात्रा निकाली जिसको सिहोरा से गिदुरहा के लिए रवाना किया गया। तिरंगा यात्रा सिहोरा खितौला के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए गिदुरहा में शहीद मुन्नालाल काछी के शहीद स्मारक में संपन्न हुई।

निधन

श्रीमती सावित्री विश्वकर्मा- भरतीपुर निवासी श्री रामचरन विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री विश्वकर्मा (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री भगवान दास सराफ- सराफा खटीक मोहल्ला रोड निवासी श्री भगवान दास सराफ (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रमा बाथरे- गोपालबाग निवासी श्री महेश बाथरे की धर्मपत्नी श्रीमती रमा बाथरे (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती सावित्री- हैड पोस्ट आफिस के पास साउथ सिविल लाइन निवासी श्री सुंदर लाल की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मानक राव- चौधरी मोहल्ला रामपुर निवासी श्री मानक राव (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती चंद्रवती विश्वकर्मा- बेलबाग निवासी श्री प्रकाल विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रवती विश्वकर्मा (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि दिजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
ब्लैक&व्हाईट 300/-
रंगीन 400/-
रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303408294, 9407362160

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS **HEENA MAKHIJA** I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS **HEENA BHATIA** D/O DEEPAK KUMAR BHATIA RESIDENT OF- 19, KACHNAR KUNJ, GUPTESHWAR WARD, MADAN MAHAL, JABALPUR (M.P.) 482001

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS **MOHAMMAD SAGHEER** I, HAVE CHANGED THE SPELLNIG OF MY MIDDLE NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS **MOHAMMAD SAGEER** S/O ABDUL SALAM RESIDENT OF - BANGALA NO. 2, THEATRE ROAD, NEAR MALHOTARA COMPOUND, SADAR BAZAR, CANNT, JABALPUR (M.P.) 482001

तुअर उत्पादक किसानों को अच्छे बीज, खाद और उत्पादन वृद्धि के लिए शासन देगा प्रोत्साहन

श्रीअन्न का उत्पादन बढ़ाएं किसान, सरकार खरीदेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में रागी, कोदो-कुटकी, ज्वार-बाजरा, मक्का जैसे श्रीअन्न का उत्पादन बढ़ाया जाए और किसानों को श्रीअन्न उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। किसानों की ओर से उत्पादित श्रीअन्न अब सरकार खरीदेगी। उन्होंने कहा कि तुअर उत्पादक किसानों को अच्छे किस्म के खाद, बीज और उत्पादन वृद्धि के लिए प्रोत्साहन भी दिया जाए। इसके लिए किसानों को फसल अनुदान देने और उनकी फसल का बीमा कराने जैसे नवाचार भी किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मंत्रालय में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव सहकारिता अशोक बर्णवाल, सचिव कृषि एम. सेल्वेन्द्रम सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

खास बातें

- सभी मंडियों का विभागीय अधिकारियों से विजिट कराएं, प्रबंधन पर दें विशेष ध्यान
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की किसान-कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की समीक्षा

फल व सब्जी मंडी, मसाला मंडी बनाने के लिए भी करें प्रयासः मुख्यमंत्री

मंडियों का फसलवार मॉडल तैयार किया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी मंडियों का विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों से आकस्मिक निरीक्षण कराएं। मंडियों की व्यवस्थाओं को और भी बेहतर बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई जरूरतों के मुताबिक अब अलग-अलग मंडियों की स्थापना पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मंडियों का फसलवार मॉडल तैयार करें। कृषि उपज मंडी के अलावा अब फल व सब्जी मंडी, मसाला मंडी या अन्य विशेष पैदावार की मंडी स्थापना के लिए भी प्रयास किए जाएं। इसके लिए रोडमैप तैयार किया जाए और यदि आवश्यकता है तो इसमें प्रायवेट सेक्टर को भी सम्मिलित किया जाए।

आदर्श बनें मध्य प्रदेश की कृषि उपज मंडियां

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की कृषि उपज मंडियों को आदर्श बनाया जाए। मंडियों में कृषि आधारित सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों। मंडियों में किसानों को फसल बेचने में किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मंडी में अपनी फसल बेचने आने वाले हर किसान को उसकी उपज का सही दाम मिले, किसी का भी नुकसान न होने पाए। मंडियों को और अधिक आधुनिक बनाया जाए यहां किसानों को उनके उपज में गुणवत्ता संवर्धन के बारे में भी बताया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडियां अपने विकास कार्यों के लिए आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्थानीय निकायों से नई मंडियों की स्थापना, फसल भण्डारण क्षमता बढ़ाने के लिए समन्वय करें, जिससे किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए अधिक सुविधाएं मिल सकें।

ग्रीष्मकालीन मूंग में खरपतवारनाशकों के उपयोग को करें हतोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रीष्मकालीन मूंग में खरपतवारनाशकों के उपयोग से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसलिए खरपतवारनाशकों को हतोत्साहित करने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा मिले।

26,27 एवं 28 मई को नरसिंहपुर में कृषि आधारित उद्योगों का किया जाएगा सम्मेलन

सचिव कृषि ने जानकारी दी कि आगामी 26, 27 एवं 28 मई को जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में कृषि आधारित उद्योगों का सम्मेलन सह विशाल कृषि मेला लगेगा। आयोजन में कृषि आधारित उद्योगों के बारे में जानकारी के अलावा दुग्ध उत्पादन, मत्स्य उत्पादन, शाक-सब्जी उत्पादन, श्रीअन्न उत्पादन, उद्यानिकी, बागवानी, उन्नति किस्म के बीज, खाद, उर्वरक की जानकारी सहित उन्नत कृषि उपकरणों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नरसिंहपुर के बाद 8 से 10 जून तक सतना में विशाल कृषि मेले सह कृषक सम्मेलन का आयोजन प्रस्तावित है।

तीन फसलों को जल्द ही मिलेगा जीआई टैग

राज्य शासन की प्रगतिशीलता से प्रदेश में उत्पादित होने वाली 3 फसलों को बहुत जल्द जीआई-टैग मिल जाएगा। सचिव कृषि ने बताया कि डिंडोरी जिले की नागदमन कुटकी, सिताही कुटकी और बैंगनी अरहर की फसल को जीआई टैग परीक्षण के लिए भेजा गया है, उम्मीद है कि जल्द ही इन फसलों को जीआई टैग प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि ई-अनुज्ञा प्रणाली लागू करने के बाद प्रदेश में बीते एक अप्रैल 2025 से प्रदेश की सभी 259 मंडियों में ई-मंडी योजना भी लागू कर दी गई है। सभी मंडियों में अब डिजिटल तरीके से रिकार्ड कीपिंग की जा रही है।

खबर संक्षेप

डेंगू दिवस पर बताए लक्षण, बचाव के तरीके

भोपाल। राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू और अन्य मच्छर जनित बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। रैलियां निकाल कर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किए। कार्यशालाओं में डेंगू के लक्षण और बचाव के तरीके बताए गए। डेंगू दिवस 'देखें, साफ करें, ढकें: डेंगू को हराने के उपाय करें' की थीम पर मनाया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने डेंगू जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

स्वैच्छिक स्थानांतरण आवेदन की तिथि बढ़ी

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानांतरण नीति के क्रियान्वयन की समय-सारणी जारी की है। विभाग ने समय-सारणी तालिका में आंशिक संशोधन किया है। स्वैच्छिक स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की नियत सीमा 16 मई से बढ़ाकर अब 21 मई की गई है। ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश जारी करने की तिथि 20 मई से बढ़ाकर 25 मई नियत की गई है।

प्रदेशवासी लें जल जमाव रोकने का संकल्प

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' पर कहा कि स्वस्थ मप्र के संकल्प को साकार करने के लिए स्वच्छता, जागरूकता और समय पर उपचार ही हमारा सबसे कारगर हथियार है। मुख्यमंत्री प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे डेंगू का मुकाबला करने के लिए स्वच्छता को अपनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिक यह प्रण लें कि अपने आस-पास कहीं पर भी जल जमाव नहीं होने देंगे। मच्छरों से बचाव और डेंगू के लक्षण व इलाज के प्रति समाज को जागरूक करेंगे।

पन्ना टाइगर रिजर्व में तेंदुआ शावक की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश के पन्ना टाइगर रिजर्व में परिक्षेत्र पन्ना बफर की झिन्ना बीट के कक्ष क्रमांक पी 282-283 की सीमा पर मादा तेंदुआ शावक का शव मिला है। मादा तेंदुआ शावक की आयु लगभग 4 माह बताई जा रही है। चिकित्सकों द्वारा ऐसी आशंका जताई गई है कि मादा तेंदुआ शावक की मौत किसी अज्ञात बीमारी के कारण हुई है। हालांकि मौत के स्पष्ट कारणों का खुलासा नहीं हुआ है।

दो पड़ोसी परिवार आपस में लड़े, मामला दर्ज

दुर्ग। कैलाश नगर में रहने वाले दो परिवार के बीच कचरा फेंकने को लेकर पहले कहासुनी से शुरू हुई। कहासुनी मारपीट में तब्दील हो गई। इस मारपीट में एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए हैं। मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला। घटना का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। जामुल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

इंदौर में आयोजित टैक्सटाइल एक्सपो में सीएम डॉ. यादव ने किया संवाद

श्रमिक, आवागमन, प्रशासनिक प्रक्रियाओं की सरलता के कारण निवेश के लिए मध्य प्रदेश सबसे अनुकूल

▶ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने कहा, कारखाने हमारे लिए मंदिर की तरह, इससे मिलता है रोजगार, नागरिक होते हैं लाभान्वित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश के बीच में होने, श्रमिकों, सड़क और अन्य आवागमन सुविधाओं, प्रशासनिक प्रक्रियाओं की सरलता के कारण औद्योगिक निवेश के लिए सबसे अनुकूल प्रदेश है। गुजरात राज्य हमारे लिए आदर्श है। गुजरात की तर्ज पर मप्र भी उद्योगों के विकास का काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि बीते दिनों बेंगलुरू में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) द्वारा प्रदेश के रायसेन जिले में मेट्रो और रेल कोच निर्माण इकाई की स्थापना के लिए की गई पहल पर त्वरित कार्रवाई कर कुल 60.063 हेक्टेयर भूमि आवंटन का निर्णय लिया गया। यह प्रदेश की उद्योग संवर्धन और निवेश वृद्धि की पारदर्शी नीति का नवीनतम उदाहरण है। मध्यप्रदेश उद्योगों के अनुकूल नीतियों को लागू कर उस स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में शामिल है, जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार की शाम इंदौर में टेक्सटाइल एक्सपो को संबोधित कर रहे थे।

पीएम मोदी की नीतियों से आया परिवर्तन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों से देश का समूचा परिदृश्य बदल गया है। उद्योगों के विकास के साथ धन के अर्जन के साथ मानवीय पक्ष को महत्व देने की भारतीय संस्कृति रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कारखाने हमारे लिए मंदिर की तरह हैं। देवालय और मंदिर जिस तरह श्रद्धा का केंद्र होते हैं, उसी तरह कारखाने बड़े वर्ग को लाभान्वित करने के पवित्र भाव के साथ संचालित होते हैं। शासन द्वारा लागू अनुकूल नीतियों और सुशासन का लाभ उद्योगों को दिलाने के लिए मध्यप्रदेश में विशेष अभियान चल रहा है। मध्यप्रदेश में जो उद्योगपति आते हैं वे यहीं के होकर रह जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत वर्ष मध्यप्रदेश के सभी संभागों में रीजनल इन्डस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की गईं। इसके बाद इस वर्ष फरवरी में भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सफल आयोजन हुआ। इन प्रयासों से 30 लाख हजार करोड़ से अधिक का निवेश लाने में सफलता मिली। अब विभिन्न सेक्टर को ध्यान में रखकर उद्योग संवर्धन कार्यक्रम हो रहे हैं। यह क्रम निरंतर चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में टैक्सटाइल क्षेत्र में नया इतिहास लिखा जाएगा। इंदौर इसका प्रमुख केंद्र होगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि इंदौर, उज्जैन ,देवास, मक्सी आदि क्षेत्रों को मिलाकर इंदौर मेट्रोपोलिटिन एरिया विकसित किया जाएगा।

मध्य प्रदेश निवेश के लिए उभरता हुआ केंद्र

प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश का बेहतर वातावरण है। यहां कहीं भी किसी बात के लिए उद्योगपतियों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। यहां पर सभी अनुमतियों को लेख सेवा केंद्र के माध्यम से नियत समय सीमा में दिए जाने का प्रावधान किया गया है। यहां 30 दिन में उद्योग को प्रारंभ कर सकते हैं साथ ही टैक्सटाइल एंड गारमेंट्स सेक्टर में विशेष अतिरिक्त इंसेंटिव्स दिए जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के औद्योगिक योगदान और पर्यावरणीय दृष्टिकोण को सम्मानित करते हुए मेटेक्सिल के चेयरमैन शालीन तोशनीवाल ने स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट किए। एक्सपोर्ट पोटेंशियल मैन मेड फाइबर टैक्सटाइल्स, होम टक्सटाईल्स एण्ड टेक्निकल टैक्सटाइल मध्यप्रदेश सेमिनार मैटेक्सिल के एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर ए. रवि कुमार ने मैटेक्सिल की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की यात्रा पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही भारत टैक्स-2026 की रूपरेखा बताई। मैटेक्सिल के पूर्व चेयरमैन संजीव सरन ने मेटेक्सिल की भूमिका और भारत टेक्स जैसे आयोजनों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। वर्तमान चेयरमैन शालीन तोषनीवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए मैटेक्सिल की आगामी योजनाओं की जानकारी दी। सेमिनार में देश के विभिन्न हिस्सों से आए टैक्सटाइल उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश को निवेश की दृष्टि से एक उभरते केंद्र के रूप में देखा। तकनीकी-सत्रों में टैक्सटाइल क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा मध्यप्रदेश से मैनमेड फाइबर टैक्सटाइल, होम टैक्सटाइल और टेक्निकल टैक्सटाइल के निर्यात की संभावनाओं प्रशांत अग्रवाल (प्रबंध निदेशक, वजीर एडवाइजर्स) और धीरज शाह पूर्व चेयरमैन मेटेक्सिल व चेयरमैन, फेयरडील टैक्सटाइल पार्क, सूरत ने अपने व्यावसायिक अनुभव साझा किए।

80 प्रतिशत काम पूरा, शेष कार्य तेजी से हो रहे

राजधानी में जल्द तैयार होगा अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

▶ मंत्री सारंग ने लिया निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने भोपाल स्थित बरखेड़ा नाथू में शुक्रवार को निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है और बाकी कामों को तेजी व गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स प्रदेश के युवाओं को खेल के क्षेत्र में वैश्विक मंच तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाएगा। साथ ही उन्होंने निर्माण एजेंसियों को जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

निरीक्षण के दौरान मंत्री सारंग ने एथलेटिक्स स्टेडियम, लाइटिंग सिस्टम, प्रैक्टिस हॉकी फील्ड, वार्म-अप ट्रैक, मल्टीलेवल पार्किंग, फुटबॉल फील्ड, वाटर एवं सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और अन्य निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने प्रोजेक्ट की कंस्ट्रक्शन डिटेल्स का प्रस्तुतिकरण भी देखा और तकनीकी पहलुओं पर अधिकारियों से चर्चा की।

खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

मंत्री सारंग ने कहा कि इस सर्वसुविधायुक्त अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के तैयार होने से प्रदेश में खेलों के लिए एक नया आयाम स्थापित होगा। यहां के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण से लेकर प्रतियोगिताओं तक की सभी सुविधाएं एक ही परिसर में मिलेंगी, जिससे उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मजबूती मिलेगी।

व्यवसायी, ज्वेलरी शॉप मालिक, सिविल ठेकेदार, मेडिकल स्टोर संचालक, शासकीय कर्मचारियों को बनाया शिकार

खुद को पूर्व अफसर बताकर करोड़ों ठगने वाला आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गौरेला पेंड्रा मरवाही

ठगी के मामले में आरोपी द्वारा खुद को पूर्व सैनिक व खाद्य अधिकारी बतलाकर एक फाइनेंशियल धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जिसमें आरोपी ने स्थानीय लोगों को विदेशी मुद्रा (डॉलर) में इन्वेस्टमेंट कर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर उनसे करोड़ों रुपए की ठगी कर ली। ठगी का यह मामला गौरेला थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने मामले में पीड़ितों से मिली शिकायत के आधार पर ठगी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है। शिकायतकर्ताओं में किराना व्यवसायी, ज्वेलरी शॉप मालिक, सिविल ठेकेदार, मेडिकल स्टोर संचालक, यहां तक कि सरकारी सेवक भी शामिल हैं, जो प्रह्लाद राठौर की चिकनी-चुपड़ी बातों में आकर अपनी खून-पसीने की कमाई गंवा बैठे प्रहलाद राठौर ने लोगों को यह विश्वास दिलाया कि

वह एक विदेशी फॉरेक्स ट्रेडिंग कंपनी में उनके पैसे डॉलर में इन्वेस्ट कर रहा है और हर महीने 5% से 10% का निश्चित मुनाफा मिलेगा। उसने यहां तक कहा कि 6 महीने में पैसा डबल हो जाएगा और वह खुद इस इन्वेस्टमेंट की गारंटी लेगा। शुरुआत में कुछ लोगों को 2000-4000 रुपए महीना रिटर्न मिला भी, जिससे उनका विश्वास और इन्वेस्टमेंट दोनों बढ़ता गया। परंतु कुछ महीनों बाद रिटर्न आना बंद हो गया और प्रहलाद ने लोगों के फोन उठाना बंद कर दिया।

करोड़ों की संपत्ति खड़ी की

लोगों के पैसे से प्रहलाद राठौर ने करोड़ों रुपए की संपत्ति अपने और अपने परिवार के नाम पर खरीद ली। वह अब 60 लाख की लग्जरी कार में घूमता था और उसने बैको लोडर जैसी महंगी मशीनें भी खरीदी है। पहले जो दूसरों की गाड़ियों में घूमता था, अब खुद मालिक बन बैठा। जब वह पेंड्रारोड रजिस्ट्री ऑफिस में एक जमीन की रजिस्ट्री कराने पहुंचा, तब कुछ ठगी के शिकार लोगों ने उसे पहचान लिया और वहीं से पकड़कर सीधे गौरेला थाना लेकर पहुंच गए। जैसे ही खबर फैली, ठगी के और भी शिकार लोग थाने पहुंचने लगे गौरेला पुलिस ने ठगी करने वाले प्रहलाद राठौर के खिलाफ धोखाधड़ी की विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है।

कसडोल घटोरिया मंदिर के पास की घटना

ट्रैक्टर पलटने से मासूम की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

रायगढ़ में शनिवार की सुबह तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियत्रित होकर पलटने की घटना में एक मासूम बच्चे की मौत हो गई वहीं उसके माता-पिता घायल हो गए हैं। उक्त मामला तमनार थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक तमनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कसडोल निवासी बसंत धनवार 26 साल अपने पत्नी आहिल्या धनवार 24 साल और अपने दो साल के बच्चे तरुण धनवार के साथ मिट्टी कटिंग काम के लिए निकले थे। इस दौरान सुबह 8 बजे जब वे कसडोल घटोरिया मंदिर के समीप पुल के पास पहुंचे ही थे कि ट्रेक्टर चालक अपने वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और वे चलती ट्रेक्टर से कूद गए। इस घटना में अधिक चोट लगने की वजह से मासूम बच्चे तरुण धनवार की मौके पर ही मौत हो गई वहीं उसके माता-पिता घायल हो गए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना की जानकारी मिलते ही तमनार पुलिस मौके पर पहुंच कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

फर्जी दस्तावेज बनाकर बैंक खाता भी खुलवाया, बांग्लादेशी रिश्तेदारों के संपर्क में भी थे

अवैध ढंग से रह रहे बांग्लादेशी पति-पत्नी पुलिस गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

भिलाई के सुपेला थाना क्षेत्र में अवैध रूप से निवासरत बांग्लादेशी पति पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह दंपति वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से भारत बांग्लादेश सीमा से प्रवेश कर अपनी पहचान छिपाते हुए सुपेला में नाम बदल कर निवासरत थे। दोनों ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर आधार और पैन कार्ड सहित वोटर आईडी बनाकर बैंक का खाता भी खुलवा लिया था। कुछ दिनों पूर्व भी भिलाई से पन्ना बीवी नाम की बांग्लादेशी महिला की भी गिरफ्तारी हुई है। दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल ने इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि अवैध रूप से भिलाई में रह रहे शाहीदा खातून उर्फ ज्योति एवं मो. रासेल शेख इंटरनेट कॉल एवं व्हाट्सएप के माध्यम से बांग्लादेश स्थित परिजनों से सतत संपर्क बनाए हुए थे। दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 विदेशी नागरिक विषयक अधिनियम 1946 एवं भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 एवं पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम 1920 के तहत कार्रवाई की गई है।

रोहिंग्याओं के लिए एसटीएफ का गठन

उन्होंने बताया कि अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर कार्रवाई के लिए एसटीएफ का गठन किया गया है। एसटीएफ को 16 मई को जानकारी प्राप्त हुई कि पांच रास्ता कांट्रेक्टर कालोनी सुपेला में स्थित एक मकान में एक संदिग्ध बांग्लादेशी महिला एवं उसके पति अपना मूल पहचान छुपाते हुए ज्योति एवं रासेल शेख के नाम से रह रहे हैं। एसटीएफ टीम के द्वारा दुर्गा बाई के मकान में रह रही महिला एवं उसके पति से पूछताछ करने पर उनके द्वारा अपना नाम ज्योति एवं रासेल शेख मूल निवासी ग्राम मोमिनपुर थाना स्वरूपनगर जिला उत्तर-24 परगना पश्चिम बंगाल का होना बताया।

संदेहास्पद पाया गया आधार कार्ड

उनके द्वारा यह बताया गया है वे वर्ष 2009 से 2017 तक नवी मुंबई ठाणे में रहे। फिर शादी पार्टी में कार्य करने हेतु वर्ष 2017 से लगातार भिलाई में रह रहे थे। पुलिस ने दोनों का आधार कार्ड की जांच की गई जिसमे संदेहास्पद पाया। पुलिस के सख्ती बरतने पर महिला ने अपना मूल नाम शाहीदा खातून एवं उसके पति द्वारा स्वयं का नाम मो. रासेल शेख निवासी ग्राम बाला पोस्ट रघुनाथनगर थाना झीकरगाछा जिला जेस्सोर बांग्लादेश बताया गया। पुलिस जांच के दौरान पाया गया कि बांग्लादेशी महिला शाहीदा खातून वर्ष 2009 से भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय बोंगा बार्डर से अवैध तरीके से नार्थ 24 परगना पश्चिम बंगाल मे प्रवेश कर हावड़ा होते हुए मुंबई जाकर मजदूरी कार्य के दौरान उसका परिचय बांग्लादेश निवासी मो. रासेल से हुई दोनों मुंबई से वापसी बांग्लादेश चले गये।

बांग्लादेश में रचा षड्यंत्र

वहीं पर योजनाबद्ध तरीके से महिला शाहीदा खातून ने अपना नाम बदलकर ज्योति रख लिया तथा मो. रासेल से शादी कर ली। शादी के पश्चात दोनों वर्ष 2017 में पासपोर्ट एवं भारतीय वीजा पर भारत मे प्रवेश किये। महिला ज्योति रासेल शेख का वीजा अवधि दिनांक 13 सितंबर 2018 एवं मो. रासेल शेख का वीजा अवधि 12 अप्रैल 2020 का था। पुलिस ने पति पत्नी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

भारत की सबसे रहस्यमयी जगहें, जहां पर विज्ञान भी हो चुका है फेल

लेह की चुंबकीय हिल

लद्दाख के लेह में एनएच-1 पर स्थित चुंबकीय हिल पर गाड़ियां बिना इंजन के ऊपर की तरफ खिंचती हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह चुंबकीय शक्ति है, लेकिन वैज्ञानिकों की तरफ से इसे ऑप्टिकल इल्यूजन कहा जाता है। ढलान ऐसा दिखता है कि गाड़ी ऊपर जा रही है, जबकि वह नीचे की तरफ जाती है। हालांकि, यह थ्योरी भी पूरी तरह से स्वीकार नहीं की गई। यह स्थान सैलानियों के लिए बड़ा आकर्षण है। वैज्ञानिकों ने इस हिल के चुंबकीय क्षेत्र की जांच की, लेकिन कोई असामान्य शक्ति नहीं मिली। यह जगह भारत के रहस्यमयी स्थानों में शामिल है।

नई दिल्ली। भारत में कई अजीबोगरीब, तो कुछ रहस्यमयी जगहें। इस जगहों के रहस्य को आज तक कोई नहीं सुलझा पाया है। आज हम आपको इस अपने लेख में भारत की कुछ रहस्यमयी जगहों के बारे में बताएंगे। इन जगहों के रहस्यों को जानकर आपको यकीन नहीं होगा। इसके साथ ही हैरानी भी होगी।

राजस्थान का कुलधरा गांव

कुलधरा गांव जैसलमेर से 18 किलोमीटर दूर स्थित है। इस गांव के रहस्य को जानकर आपकी रूह कांप जाएंगी। 19वीं सदी में गांव में पालीवाल ब्राह्मण रहते थे, जो बेहद खुशहाल थे, लेकिन एक रात अचानक पूरा गांव खाली हो गया। 800 से अधिक परिवार कहां लापता हो गया, किसी को नहीं पता। स्थानीय लोगों का मानना है कि एक दीवान था, जो लोगों पर जुल्म करता था। इसके कारण गांव वालों ने श्राप देकर इसे छोड़ दिया। यह गांव आज भी वीरान पड़ा है और रात में अजीब आवाजें सुनाई देती हैं। कुलधरा के रहस्य को सुलझाने की कई बार कोशिश की गई, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

तुलसीश्याम की रहस्यमयी पहाड़ी

गुजरात के खेड़ा जिले में तुलसीश्याम की पहाड़ियां स्थित हैं। यह प्रकृति के नियमों को चुनौती देती हैं। सबसे हैरानी वाली बात यह है कि अगर आप यहां पर गाड़ी को न्यूट्रल में छोड़ दें, तो गाड़ी नीचे जाने की बजाय ऊपर की ओर जाने लगती है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह भगवान का चमत्कार है, लेकिन वैज्ञानिक इसे चुंबकीय क्षेत्र या ऑप्टिकल इल्यूजन कहते हैं। फिर आज तक इसका कोई सही जवाब नहीं मिल पाया है।

केरल में जुड़वा लोगों का गांव

केरल के मलप्पुरम जिले में स्थित कोडिन्ही गांव को जुड़वा लोगों का गांव कहा जाता है। यहां पर 2,000 परिवार रहता है, जिसमें 400 से ज्यादा जुड़वां बच्चे हैं। यह विश्व औसत से कई गुना अधिक है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि 2000 के बाद जुड़वां बच्चों की संख्या और बढ़ गई। वैज्ञानिकों ने जेनेटिक्स, खान-पान और पर्यावरण की जांच की, लेकिन कोई ठोस वजह नहीं मिली। यह गांव रहस्य और आश्चर्य का मिश्रण है। कुछ वैज्ञानिक इसे जेनेटिक म्यूटेशन मानते हैं।

रोचक खबरें

तुर्की में हैं दुनिया के सबसे अनोखे झरने, स्वर्ग जैसा दिखता है नजारा

नई दिल्ली। तुर्की (अब तुर्किए) के डेनिजली प्रांत में स्थित पामुक्काले नाम के गांव में दुनिया के सबसे अनोखे गर्म पानी के झरने पाए जाते हैं। यह दिखने में बिल्कुल रूई के महल जैसा लगता है, इसलिए इसे 'कॉटन कैसल' भी कहा जाता है। तुर्किए के पामुक्काले गांव में दुनिया के सबसे अनोखे गर्म पानी के झरने पाए जाते हैं, जो एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भी है। यहां का दृश्य स्वर्ग जैसा प्रतीत होता है। दरअसल, यहां सफेद चूना पत्थरों के जो गर्म झरने हैं वो रूई के महल की तरह प्रतीत होते हैं, इस कारण तुर्की के पामुक्काले को 'कॉटन कैसल' भी कहा जाता है। पामुक्काले गांव नाम तुर्की के पामुक शब्द यानि कॉटन, और क्काले शब्द यानि महल से मिलकर बना है, जो अपनी आश्चर्यजनक ट्रैवर्टीन संरचनाओं के लिए जाना जाता है। ये गर्म झरने कैल्शियम कार्बोनेट से भरपूर हैं, जिसके बारे में ऐसा कहा जाता है कि इसमें त्वचा की स्थिति और गठिया सहित विभिन्न बीमारियों के लिए उपचारात्मक गुण होते हैं। वहीं, खनिज-समृद्ध जल से बनी ट्रैवर्टीन संरचनाएं, सफेद चूना पत्थर की छतों और झरने वाले तालाबों की एक श्रृंखला की तरह दिखती हैं, जो किसी को भी मंत्रमुग्ध कर दे।

गजब परंपरा! झारखंड के इस मंदिर में भगवान नहीं, घोड़े की होती है पूजा

जमशेदपुर। झारखंड की सांस्कृतिक विरासत में कई रहस्य और आस्थाओं की झलक मिलती है, पर सरायकेला जिले के गम्हरिया प्रखंड में स्थित घोड़ा बाबा मंदिर एक ऐसी अनोखी परंपरा का प्रतीक है, जिसे सुनकर कोई भी हैरान रह जाए। यहां भक्त भगवान की मूर्ति को नहीं, बल्कि एक पौराणिक प्रतीक 'घोड़ा बाबा' की आराधना करते हैं। मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालु इस मंदिर में प्रसाद स्वरूप असली घोड़ा नहीं, बल्कि मिट्टी के घोड़े और हाथी चढ़ाते हैं, जो श्रद्धा और आस्था का प्रतीक माना जाता है।

मंदिर का प्रसाद नहीं ले जा सकते हैं घर

जमशेदपुर से मात्र 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस मंदिर में साल में एक बार,

विशेषकर मकर संक्रांति के अगले दिन विशाल जनसमूह एकत्र होता है। उस दिन भक्तजन दूर-दराज से आकर घोड़ा बाबा की पूजा करते हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करते हैं। यहां की सबसे रोचक परंपरा यह है कि मंदिर से मिलने वाला प्रसाद जैसे केला और नारियल, भक्त अपने घर नहीं ले जा सकते हैं। उन्हें या तो मंदिर परिसर में ही ग्रहण करना होता है, या सावधानीपूर्वक किनारे रख देना होता है, ताकि कोई अपवित्रता न हो। यह परंपरा भक्तों के भीतर आस्था के साथ-साथ अनुशासन और श्रद्धा का भाव भी भर देती है।

मन्नत पूरी होने पर चढ़ाया जाता खास चीज

कुम्भकार जाति की महिलाएं नहीं जातीं मंदिर

पूर्व में इस मंदिर में महिलाओं का प्रवेश वर्जित था। विशेषकर कुम्भकार जाति, जो इस मंदिर का संचालन करती है, उनकी महिलाएं आज भी मंदिर नहीं जातीं। हालांकि, समय के साथ यह परंपरा काफी हद तक समाप्त हो चुकी है और अब 18 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं को मंदिर में प्रवेश की अनुमति है।

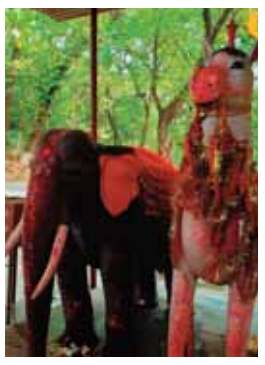

घोड़े पर सवार होकर आए थे भगवान कृष्ण और बलराम

माना जाता है कि लगभग 300 वर्ष पूर्व भगवान कृष्ण और बलराम यहां घोड़े पर सवार होकर आए थे। उन्होंने इस क्षेत्र की उर्वरता देखकर बलराम द्वारा हल चलवाकर खेती की शुरुआत करवाई। मान्यता है कि उनके जाने के बाद उनके साथ आए घोड़े यहीं रह गए और स्थानीय लोगों ने उन घोड़ों को दिव्य रूप में पूजना प्रारंभ किया। धीरे-धीरे यह परंपरा एक आस्था में परिवर्तित हो गई और घोड़ा बाबा की पूजा शुरू हुई। आज भी मंदिर के बाहर सैकड़ों मिट्टी के घोड़े कतार में देखे जा सकते हैं। हर एक मन्नत, हर एक श्रद्धा की कहानी अपने भीतर समेटे हुए। यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि लोक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का जीता-जागता उदाहरण भी है।

यूरोप का मरीज है तुर्की, जहां कॉफी न मिलने पर पतियों से तलाक ले लेती थीं महिलाएं

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में तुर्की ने पाकिस्तान का साथ दिया, जिसके बाद हर भारतीय इस देश को बॉयकॉट करने की बात कह रहा है। वैसे क्या आप जानते हैं कि इस देश को यूरोप का 'मरीज' भी कहा जाता है और यहां चाय की जगह हर कॉफी मांगने वाले मर्दों को उनकी पत्नियों ने तलाक तक दे दिया। सुनने में आपको ये बात भले ही अजीब लग रही हो, लेकिन ये पूरी तरीके से एकदम सच है। दुनिया के अगर सबसे खूबसूरत देशों की अगर बात की जाए तो उसमें तुर्की का नाम सबसे ऊपर आता है। ये यूरेशिया एक भौगोलिक भूखंड है, जो यूरोप और एशिया महाद्वीप को मिलाकर बना है। इसे आप एशिया और यूरोप का पुल भी कह कह सकते हैं, क्योंकि इस देश का कुछ भाग यूरोप में और अधिकांश भाग एशिया में पड़ता है। इसके अलावा दुनिया इस देश को 'यूरोप का रोगी' यानी 'यूरोप का मरीज' भी कहती है। अगर इस देश के इतिहास की बात की जाए तो ये कई साम्राज्यों के आधीन रहा है। ये देश 530 ईसा पूर्व में ईरान के फारसी साम्राज्य का हिस्सा बना था और कई सालों तक यह यूनानियों द्वारा संघर्ष के कारण ग्रीक और ईरानी साम्राज्यों में बंटा रहा. इतना सबकुछ होने के बाद तुर्की को महान सिंकदर के यूनानी (मेसीडोनी) साम्राज्य में आ गया और फिर (635 ईस्वी) में यहां इस्लाम को खूब फला-फूला और औगुज, सल्जूक और उस्मानी लोग सुन्नी मुस्लमान बन गए।

वैज्ञानिकों ने की 3 आंखों वाले 'राक्षस' की खोज, कहलाता था समंदर का शिकारी

लंदन। समंदर की गहराई में कई ऐसे रहस्य आज भी छुपे हुए हैं, जिनके बारे में हम नहीं जानते। अक्सर वैज्ञानिक समुद्री रहस्यों से जुड़े खोज करते रहते हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। वैज्ञानिकों ने एक ऐसे ही जीव के बारे में पता लगाया है, जिससे जुड़ी स्टडी हाल ही में रॉयल सोसाइटी ओपन साइंस में पब्लिश हुई। शोध के अनुसार, जीवाश्म वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि 50 करोड़ साल पहले धरती पर समुद्र के अंदर तीन आंखों वाला एक ऐसा शिकारी जीव रहता था, जिसके कांटेदार पंजे होते थे और मुंह दांतों से भरा था।

एक उंगली जितनी थी लंबाई

मोसुरा फेंटोनी की शक्ल किसी साइंस-फिक्शन फिल्म के प्राणी जैसी है। इसकी लंबाई बस एक उंगली जितनी थी, लेकिन ये छोटा शिकारी बड़ा खतरनाक था। इसकी तीन आंखों में नसों के गुच्छे मिले, जो आज के आर्थोपॉड्स की तरह देखने और समझने में माहिर थे। रॉयल ओंटारियो म्यूजियम के जीन-बर्नार्ड कैरॉन ने कहा, 'इन नसों से पता चलता है कि इतने पुराने जीव की आंखें कितनी उन्नत थीं।' इसके कांटेदार पंजे छोटे-छोटे शिकार को जकड़ने के लिए थे और नीचे की तरफ दांतों से भरा गोल मुंह भोजन को चबाने में मदद करता था। इसकी बॉडी में बड़े-बड़े फ्लैप थे, जो पंखों की तरह तैरने में मदद करते थे। इसीलिए इसे 'सी

प्राचीन समुद्री जीव की अजीब शक्ल देखकर लोग हैं हैरान

सोशल मीडिया पर ये खोज लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई है। लोग इसे 'एलियन' या 'काइजू' बुला रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, 'ये तो समुद्र का मॉथ्रा है!' कुछ ने मजाक किया, 'तीन आंखों वाला शिकारी? ये तो किसी साइ-फाई फिल्म का हीरो है!' कई लोगों ने इसकी तुलना सिम्पसन्स की तीन आंखों वाली मछली ब्लिंकी से की और कहा, 'क्या ये ब्लिंकी का दादा-परदादा है?' ये खोज न सिर्फ वैज्ञानिकों, बल्कि आम लोगों को भी रोमांचित कर रही है, जो इस प्राचीन समुद्री जीव की अजीब शक्ल देखकर हैरान हैं। बर्गेस शेल की ये खोज हमें उस दौर की झलक देती है, जब धरती पर जीवन अपने सबसे अनोखे और रहस्यमयी रूपों में उभर रहा था।

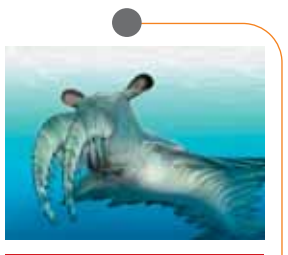

16 गलफड़ों वाले हिस्से थे पेट में

सबसे बड़ी हैरानी इसका पेट था, जिसमें 16 गलफड़ों वाले हिस्से थे, जो किसी और रेडियोडॉन्ट में नहीं देखा गया। मैनिटोबा म्यूजियम के जो मोइसियुक ने कहा, 'ये हिस्सा आज के हॉर्सशू क्रैब, वुडलाइस और कीड़ों से मिलता-जुलता है। ये खोज बताती है कि कैम्ब्रियन काल में समुद्री जीव कितने अलग थे।' इसे 'इवॉल्यूशनरी कन्वर्जेंस' कहते हैं, जहां अलग-अलग जीव एक जैसे लक्षण विकसित कर लेते हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि ये गलफड़े शायद कम ऑक्सीजन वाले पानी में सांस लेने या तेज तैरने के लिए थे। बता दें कि रॉयल ओंटारियो म्यूजियम ने 1975 से 2022 के बीच मोसुरा के 61 जीवाश्म इकट्ठे किए। कुछ जीवाश्म इतने साफ हैं कि इनमें पाचन तंत्र, खून की नसें और सकुंलेटरी सिस्टम दिखता है।

'सब साथ लेंगी छुट्टी!' एक साथ प्रेग्नेंट हुईं 14 नर्स, एक ही अस्पताल में करती हैं काम

न्यूयार्क। एक ही अस्पताल में एक से ज्यादा प्रेग्नेंट महिलाओं की डिलीवरी होना आम बात है। पर क्या आपने कभी एक ही अस्पताल में एक से ज्यादा नर्सों को एक साथ प्रेग्नेंट देखा है? इन दिनों अमेरिका एक अस्पताल के खूब चर्चे हैं, जहां एक साथ 14 नर्स प्रेग्नेंट हैं और उनकी डिलीवरी चंद महीनों में है। ये अजीबोगरीब खबर सुनकर सोशल मीडिया पर लोग काफी हैरान हुए और कहने लगे कि अब वो सारी नर्सें एक साथ छुट्टी पर जाएंगी और अस्पताल का स्टाफ एक झटके में कम हो जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के विस्कॉन्सिन में एक शहर है, जिसका नाम है ग्रीन बे. यहां के सेंट विंसेंट हॉस्पिटल में एक अजब-गजब मामला सामने आया है। हुआ यूं कि अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में काम करने वाली 14 नर्सें एक साथ प्रेग्नेंट हैं। जब इसकी खबर बाहर आई तो सभी लोग हैरान हो गए। अस्पताल ने खुद एक प्रेस रिलीज जारी कर इसके बारे में बताया। मेडिकल सेंटर ने ये खास खबर मदर्स डे के मौके पर दी, जिस वक्त अमेरिका में नेशनल नर्स वीक (6 मई से 12 मई) चल रहा था। अस्पताल के निदेशक की ओर से कहा गया कि अस्पताल की कुछ नर्सें पहली बार मां बनने जा रही हैं। ये सारी महिलाएं पहले से ही बच्चा संभालने में एक्सपर्ट हो चुकी हैं। अब इस क्षेत्र में उनकी नॉलेज बढ़ जाएगी। प्रेस रिलीज में बताया गया कि उसी अस्पताल में नर्सों का हेल्थ चेकअप भी लगातार हो रहा है। कई नर्सों की डिलीवरी अलग-अलग महीनों में शेड्यूल है।

मिला 60 करोड़ साल पुराना 'खजाना' खुलेगा पहाड़ों में समंदर का गहरा राज

चंडीगढ़। हिमाचल प्रदेश के सोलन में दुनिया के सबसे प्राचीन पृथ्वी के स्ट्रोमैटोलाइट्स जीवाश्म मिलने का दावा किया गया है। ये जीवाश्म गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हैं। इन्हें टेथिस जीवाश्म संग्रहालय के संस्थापक डॉ. रितेश आर्य ने खोजा है। उन्होंने दावा किया है कि ये जीवाश्म 60 करोड़ साल से भी अधिक पुराने हैं, जो पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत की कहानी बताते हैं। ये जीवाश्म चंबाघाट के पास जोलाजोरां गांव में मिले हैं। डॉ. आर्य ने कहा कि स्ट्रोमैटोलाइट्स समुद्र की उथली सतहों पर माइक्रोबियल चादरों से बने परतदार पत्थर होते हैं। ये दर्शाते हैं कि सोलन क्षेत्र कभी टेथिस सागर का समुद्री तल हुआ करता था। यह सागर कभी गोंडवाना (जिसमें भारत, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अमेरिका और अंटार्कटिका शामिल थे) और एशिया के बीच था। डॉ. आर्य ने कहा कि जब पृथ्वी की हवा में ऑक्सीजन नहीं थी और ग्रीनहाउस गैसें छाई थीं, तब इन्हीं सूक्ष्म जीवों ने करीब 2 अरब साल में धीरे-धीरे ऑक्सीजन बनाना शुरू किया, इससे आगे जाकर जीवन संभव हुआ। अगर स्ट्रोमैटोलाइट्स नहीं होते तो आज ऑक्सीजन भी नहीं होती। डॉ. आर्य इससे पहले सोलन के धर्मपुर के कोटी में, चित्रकूट और हरियाणा के मोरनी हिल्स से भी इन्हें खोज चुके हैं। उनका कहना है कि चंबाघाट के जीवाश्म अलग प्रकार की परतदार संरचना दर्शाते हैं, जो एक भिन्न प्राचीन पर्यावरणीय दशा की जानकारी देते हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल की धरती में करोड़ों साल पुराना समुद्री इतिहास छिपा है। इसे संरक्षित कर हमें अगली पीढ़ियों को सौंपना होगा।

बिहार का एक ऐसा परिवार, जहां पैदा होते हैं सिर्फ अंग्रेज! हर सदस्य दूध-सा गोरा

एजेंसी ▶▶| पटना

आज के समय में मेडिकल साइंस ने काफी तरक्की कर ली है। कई ऐसी बीमारियां, जिसका एक समय पर इलाज नहीं था, आज उसकी दवाइयां आ चुकी है। जिन बिमारियों से पहले लोग घबरा जाते थे, अब उसका इलाज कर छुटकारा पा लेते हैं। लेकिन, ऐसी कई बीमारियां अभी भी मौजूद हैं जो जेनेटिक होती हैं। जेनेटिक बीमारियां वो होती हैं, जो एक पीढ़ी से दूसरी में ट्रांसफर होती है। जेनेटिक बिमारियों का इलाज करना थोड़ा मुश्किल होता है। बिहार के गोपालगंज में एक परिवार ऐसी ही जेनेटिक बीमारी को कई पीढ़ियों से ढो रहा है। इस परिवार में कई पीढ़ियों से ऐल्बिनिज़म नाम की जेनेटिक बीमारी ट्रेवल कर रही है। इसकी वजह से परिवार का हर सदस्य बेहद गोरा दिखता है। अपने रंग की वजह से इस परिवार को सभी अंग्रेज की फैमिली बोलते हैं। लेकिन, असल में ये एक बीमारी की वजह से है। इसका अंग्रेजों से कोई लेना देना नहीं है।

पति-पत्नी और बच्चे सभी इतने गोरे

सोशल मीडिया पर इस परिवार को अंग्रेजों का परिवार बताया जा रहा है। अपने रंग की वजह से फैमिली काफी चर्चा में रहती है। कई गांवों से लोग इस फैमिली को देखने के लिए आते हैं। लेकिन, असल में इस परिवार का कोई भी सदस्य कभी विदेश गया ही नहीं है। इस फैमिली में जेनेटिक बीमारी ऐल्बिनिज़म मौजूद है। इसमें इंसान की स्किन का कलर पेल यानी रंगहीन हो जाता है। इस बीमारी का इलाज काफी मुश्किल है, क्योंकि ये जेनेटिक रोग है और मां-बाप से बच्चे को आसानी से पास ऑन हो जाता है।

क्या है ऐल्बिनिज़म?

ऐल्बिनिज़म एक जेनेटिक बीमारी है। इसमें बॉडी मेलेनिन का सिक्रीशन काफी कम करती है। जिसकी बॉडी में जितना अधिक मेलेनिन पैदा होता है, उसका रंग उतना ही डार्क होता है। ऐल्बिनिज़म में बॉडी के अंदर मेलेनिन बनता ही नहीं है। इस वजह से इससे ग्रस्त शख्स बेहद गोरा नजर आता है। आपको बता दें कि ऐल्बिनिज़म और वर्टिगो में अक्सर लोग कन्फ्यूज हो जाते हैं। लेकिन, ये दोनों ही अलग स्थितियां हैं। वर्टिगो जेनेटिक बीमारी नहीं है। ये जन्म के बाद होती है। जबकि ऐल्बिनिज़म पैदा होने के साथ इंसान को अपनी चपेट में ले लेता है।